# Haryana Government Gazette

Published by Authority


© Government of Haryana

No. 25–2024] CHANDIGARH, TUESDAY, JUNE 18, 2024 (JYAISTHA 28, 1946 SAKA)

## PART-I

### Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

**हरियाणा सरकार**

विरासत तथा पर्यटन विभाग

**अधिसूचना**

दिनाक 7 जून, 2024

**संख्या 12/4–2011–पुरा–Vol-II /1935-43.**— चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों तथा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों का हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) के अधीन संरक्षण अपेक्षित है।

इसलिए, अब, हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20), की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 मे विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव करते हैं।

इसके द्वारा, नोटिस दिया जाता है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से दो मास की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् सरकार, ऐसे आक्षेपों या सुझावों, यदि कोई हो के साथ, जो प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, चण्डीगढ़ द्वारा प्रस्ताव के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त किए जाएं, पर विचार करेगी।

अनुसूची

| प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम | पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम | गांव/शहर का नाम | तहसील तथा जिला का नाम | संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या | संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र | स्वामित्व | विशेष कथन |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| केसुरिया खेड़ा (पीजीडब्लू) | केसुरिया खेड़ा (पीजीडब्लू) | मानपुर | हथीन पलवल | खतोनी 2173 खसरा 183 खेवट तथा जमांबदी 2085/1924 | 94–4 | ग्राम पंचायत | यह गांव के लगभग 450 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैला हुआ एक व्यापक पुरातात्विक स्थल है तथा आसपास के जमीनी स्तर से लगभग 8 मीटर की ऊचांई पर है। इससे चित्रित धूसर मृदभाण्ड, आरम्भिक ऐतिहासिक मिट्टी के बर्तन और उत्तर मध्यकालीन अवशेष प्राप्त हुए। यह स्थल प्राचीन काल में पी०जी०डब्ल्यू०, लाल बर्तन संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है और उत्तरवर्ती कुषाण, गुप्त मध्ययुगीन काल से लेकर आधुनिक काल तक जारी रही है। |

कला रामचंद्रन,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

**HARYANA GOVERNMENT**

HERITAGE AND TOURISM DEPARTMENT

**Notification**

The 7th June, 2024

**No. 12/4-2011-Pura-Vol-II/1935-43.—** Whereas the Governor of Haryana is of the opinion that archaeological sites and remains ancient and historical monuments specified in column 1 of the Schedule given below requires protection under the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred under sub-section (1) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), the Governor of Haryana hereby proposes to declare the ancient and historical monuments specified in column 1 of the Schedule given below, to be a protected Archaeological Sites and Remains as specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule.

Notice is hereby given that the proposal shall be taken into consideration by the Government on or after the expiry of a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette, together with objections or suggestions, if any, from any person with respect to the proposal which may be received by the Principal Secretary to Government, Haryana, Heritage and Tourism Department, Chandigarh before the expiry of the period so specified: -

**SCHEDULE**

| Name of ancient and historical monuments | Name of archaeological sites and remains | Name of village/city | Name of tehsil and district | Revenue Khasra/ Kila number under protection | Area to be protected | Ownership | Remarks |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| Kasuria Khera (PGW) | Kasuria Khera (PGW) | Manpur | Hathin Palwal | Khotni 2173 Khasra 183 Khevat and Jamabandi 2085/1924 | 94-4 | Gram Panchayat | It is an extensive archaeological site in the village, covering over an area of about 450 sqm and stands approximately 8 meter above the surrounding ground level. It yielded Painted Grey Ware early historic pottery and late medieval remains. The site dates back in antiquity to PGW, red ware using culture and continued through the succeeding phases of Kushana, Gupta medieval periods up to modern times. |

KALA RAMACHANDRAN,
Principal Secretary to Government Haryana,
Heritage and Tourism Department.

11122—C.S.—H.G.P., Pkl.